Marking Scheme

SUMMATIVE ASSESSMENT – I (2015-16)
Sanskrit (Class – X)

सामान्य निर्देश :

1. अंकन योजना व्यक्तिपरकता को कम करने और एकरूपता बनाए रखने के लिए सामान्य दिशानिर्देश प्रदान करती है । अंकन योजना में दिए गए उत्तर सबसे अच्छे सुझाव वाले उत्तर हैं ।
2. अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही उपयुक्त अंक दिए जाएँ, यह अपनी स्वयं की व्याज़्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए ।
3. वैकल्पिक तरीकों को स्वीकार किया जाए, अनुपात के अनुसार अंक दिए जाएँ ।
4. यदि किसी प्रश्न का उत्तर दो बार दिया गया है और उनमें से कोई भी विद्यार्थी द्वारा काटा नहीं गया है, तब केवल पहले उत्तर को ही जाँचा जाना चाहिए तथा दूसरे पर ''अतिरिक्त'' लिखा जाना चाहिए ।
5. यदि अंक योजना में कोई उत्तर नहीं दिया गया है अथवा दिया गया कोई उत्तर गलत पाया जाता है, तब सही उत्तर ज्ञात कर उसे मूल्यांकन के लिए प्रयोग किया जाए ।

खण्ड : 'क'

अपठित-अवबोधनम् – (10 अङ्काः)

1

I. एकपदेन उत्तरम्। — 10

(i) सूर्यः (ii) अनुशासनम्

II. पूर्णवाक्येन उत्तरम् ।

(i) 'वयमपि प्रकृतेः उदाहरणैः स्वजीवने अनुशासनम् पालयेम', इदम् अस्माकं कर्त्तव्यम् अस्ति।

(ii) मानवैः प्रकृतेः अनेकानि तत्वानि अनुशासनपूर्णानि दृष्ट्वा स्वजीवने प्रतिक्षणम् अनुशासनस्य पालनं कर्त्तव्यम्।

III. निर्देशानुसारम् उत्तरम्।

(i) (अ) अनुशासनम्
(ii) (अ) अनुशासनम्
(iii) (स) मानवेज़्यः
(iv) (अ) दृष्ट्वा

IV. शीर्षकम् – 'अनुशासनम्'

खण्डः 'ख'

रचनात्मक-कार्यम् – (15 अङ्काः)

2

(i) लक्ष्मीपुरतः — 5
(ii) शिव
(iii) भविष्यति
(iv) इच्छामि
(v) आकर्षकाः
(vi) अक्षमाः
(vii) अज़्यासः

	(viii) सफलता (ix) सर्वेज़्य: (x) पिता	
3	चित्रम् आधृत्य प्रदŽां विषयं वा आधृत्य प्रत्येकं शुद्धवा€याय अंकद्वयं निर्धारितम् (एक: वा€याय एक: च भाषाया: शुद्धतायै)	10
	अथवा	
	प्रतिवा€याय अङ्कद्वयं भविष्यति। एक: तथ्याय एक: च भाषाया: शुद्धतायै।	10
	खण्ड: 'ग' **अनुप्रयु€त व्याकरणम् – (30 अङ्का:)**	
4	**सन्धिकार्यम्** (i) क्रोध:+अभिजायते (ii) विपरीत+उपसेविन: (iii) तत्रैव (iv) जगच्छिवानि (v) सायम्+काल:/सायं + काल:	5
5	**समास प्रयोगा:** – (i) (स) पञ्चानां नदीनां समाहार: (ii) (ब) नीलम् गगनम् (iii) (द) पञ्चाङ्गम् (iv) (स) ग्रामम् गत: (v) (ब) विद्यया समम् (vi) (ब) शीतलसलिलम्	6
6	**प्रकृतिप्रत्यय प्रयोग:** – (i) लिख् + अनीयर् (ii) पठितव्यानि (iii) माङ्गलिक: (iv) सुख + इनि (v) श्रद्धावान्	5
7	**अव्ययपदानि** – (i) इव (ii) अत्र (iii) यथा–तथा (iv) विना (v) वृथा	5
8	**वाच्यपरिवर्तनम्** (i) मया (ii) लेखा:	5

	(iii) तैः		
	(iv) त्वम्		
	(v) गज़्यते		
9	**समयलेखनम्**		4
	(i) षड्वादने		
	(ii) सपाद-षड्वादने		
	(iii) पादोन-सप्तवादने		
	(iv) सार्धसप्तवादने		
	खण्ड : 'घ'		
	पठित-अवबोधनम् - 35 अङ्काः		
10	**I.** (i) राजगृहे		5
	(ii) सूपकाराः		
	II. .... एको मेषः जिह्वालोलुपतायाः दुर्गुणेन ग्रस्तः आसीत्।		
	III. (i) (स) अहर्निशम्		
	(ii) (स) सूपकाराः।		
11	**I.** (i) उपादेयम्		5
	(ii) अकार्यम्		
	II. यः अधिगततत्त्वः शिष्यहितायोद्यतः च सदा।		
	III. (i) (अ) अकार्यम्		
	(ii) (द) सततम्		
12	**I** (i) मनः (ii) चञ्चलम्		5
	II (i) मनः अज़्यासेन वैराग्येण च वशी भवति।		
	III (i) (द) दुष्करम् (ii) (ब) श्रीकृष्णाय		
13	**I.** (i) समुद्भवः (ii) मेदसः (iii) सूर्यस्य (iv) अन्धकारस्य		4
	II. (v) हितं (vi) विपरीतं (vii) रिपवः (viii) कल्याणं		
14	(i) वाक्यम् (ii) च		4
	(iii) स्वाध्याय (iv) वाङ्मयं		
15	(i) कस्य? (ii) कम्?		4
	(iii) कीदृशम्? (iv) केन?		
16	1. (i), 2. (vii), 3. (iv), 4. (v), 5. (vi), 6. (ii), 7. (viii), 8. (iii)		4
17	(i) (द) श्रोतुम् इच्छा		4
	(ii) (ब) समीपताम्		
	(iii) (द) सर्वदायिनी		
	(iv) (ब) जलम्		
	-o0o0o0o-		